नीरेंद्रनाथ चक्रवर्ती पर जन्म शताब्दी संगोष्ठी का आयोजन

कोलकाता/संवाददाता

साहित्य अकादेमी ने कोलकाता पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय सभागार में नीरेंद्रनाथ चक्रवर्ती पर जन्म शताब्दी संगोष्ठी का आयोजन किया। स्वागत भाषण साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ के श्रीनिवासराव ने दिया। उन्होंने नीरेंद्रनाथ चक्रवर्ती के जीवन और कार्यों पर संक्षेप में बात की। परिचयात्मक भाषण में, साहित्य अकादमी के बाङ्ला परामर्श मंडल के संयोजक और पश्चिम बंगाल सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री ब्रात्य बसु ने नीरेंद्रनाथ चक्रवर्ती

के लेखन की विशिष्ट विशेषताओं पर बात की। संगोष्ठी का उद्घाटन साहित्य अकादमी के महत्तर सदस्य शीर्षेंदु मुखोपाध्याय ने किया, जिन्होंने नीरेंद्रनाथ चक्रवर्ती के लेखन और उनके व्यक्तित्व के प्रति अपने आकर्षण के बारे में बताया। अलापन बंद्योपाध्याय ने नीरेंद्रनाथ के लेखन के संदर्भ पर चर्चा की तथा बताया कि किस तरह उन्होंने तत्कालीन बंगाली साहित्य को नया आकार देने में सफलता प्राप्त की। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने ध्यान केंद्रित किया कि नीरेंद्रनाथ ने भारतीय साहित्य के महानतम लेखकों में से एक बनने का मार्ग कैसे प्रशस्त किया। साहित्य अकादेमी पूर्वी क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी क्षेत्रवासी नाएक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।